

1906

1000Rs.



(श्री)

**भूमि का विक्रय विलेख**

भूमि का बाजार मूल्य रुपये १,२५,०००/-

बिक्री मूल्य रुपये १,२५,०००/- है.

भू अधिकार एवं ऋण पुस्तिका  
क्रमांक K 210872  
लगानी जमीन ग्राम मोरघडी  
प.ह.नं. १ (एक) बंदोबस्त क्रं.  
राजस्व निरीक्षक मण्डल मान्धाता.  
तहसील एवं जिला खण्डवा म.प्र.

स्टाम्प डियुटी रुपये	२,३७५.००
पंचायत डियुटी रुपये	१,२५०.००
उपकर	४६८.७५
अधिक	६.२५
<b>कुल योग रु.</b>	<b>११,१००.००</b>

विक्रय की गई भूमि भूदान की या शासकीय पट्टे की नहीं है. विक्रेता आदिवासी नहीं है. तथा भूमि सिलिंग में आती नहीं है. म.प्र. लेण्ड रेवेन्यू कोड के प्रावधानों का उल्लंघन होना नहीं है. कोई भी प्रकार से भूमि विवादीत नहीं है.

विक्रय की गई जमीन हे. १/५९ आरे असिंचित है. कोई वृक्ष नहीं है.

**विक्रेता का नाम -**

जगन्नाथ पिता गंगारामजी गुजर आयु ६० साल निवासी मोरघडी तहसील व जिला खण्डवा पूर्व निमाड म.प्र.

**क्रेता का नाम -**

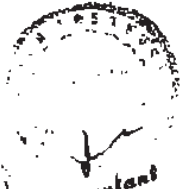
श्री गिरधारीलालजी पिता हीरालालजी सोनी आयु ४३ साल निवासी आजाद मार्ग सनावद तहसील बडवाह जिला पश्चिम निमाड म.प्र.

निरन्तर ...पु/२

जि. रा. रा.

१००० x ११५ = ११५,०००/-

बि.डी. नं. १, २५, ०००/-



४३३८ से ४३४२  
१५-६-२६

वि. :- जगन्नाथ पिता गोगाराम पूजा मु. प्रो. रत्न (स्व. ग.)

उता :- गिरधारी लालजी पिता दीरालालजी सोनी सनावय एवं सोनी

दस्ता :- स्वयं

जि. नं. ५४५

श्री. म. उपा.  
श्रीमती सुविधा लालजी,  
एल. ए. ए. ए.  
२८, आवासीय क्षेत्र

मुद्रांक शु. ९३२५  
जे. न. शु. १२५०  
न. प. शु. ५६८०७५  
उप. शु. ६०३५  
म. शु. ११००

R

उप पंजीयक

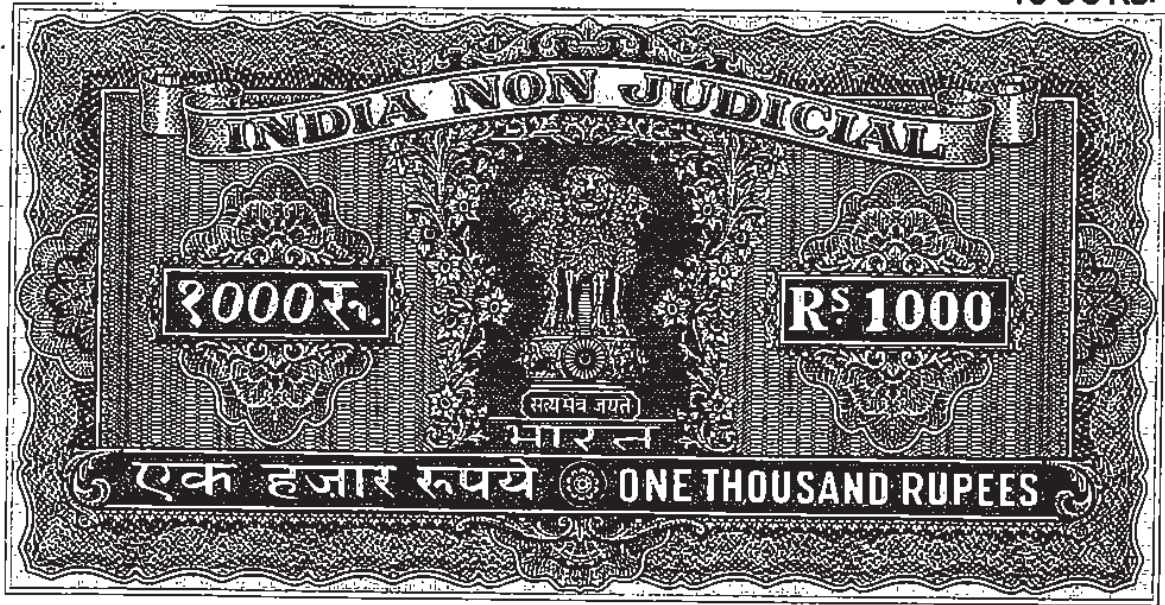
जगन्नाथ पिता गोगारामजी पूजा

के द्वारा उप-जिला २५६५  
जिल्ला २५६५  
कार्यालय नं. ५/००  
को नं. ५/००  
दिनांक ५/००

उप पंजीयक

२५६५

जगन्नाथ  
जि. नं. ५४५



(२)

**विक्रय का प्रतिफल -** रुपये ₹, २५,०००/- अक्षरी-एक लाख पच्चीस हजार रुपये मात्र का सम्पूर्ण प्रतिफल मुझ विक्रेता ने आप क्रेता से पंजीयन के पूर्व नगद लिया सो लेकर भ्रषाया.

**विक्रय किए गए जमीन का वर्णन -**

ब्लाक पुनासा जिला पूर्व निमाड म.प्र. के पटवारी हल्का क्रमांक १ (एक) के ग्राम मोरघडी की भूमि-

खसरा क्रमांक	रकबा हे.	लगान रुपये - पैसे
५१५ (पाँच सौ पन्द्रह)	१.८४ (एक हेक्टेयर चौरासी आरे)	७.०० (सात रुपये)
६०६ (छः सौ छः)	०.७५ (शुन्य हेक्टेयर पिचहत्तर आरे)	

इस प्रकार कुल नंबर २ (दो) होकर इसका जूमला रकबा हे. २.५९ आरे (दो हेक्टेयर उनसाठ आरे) की भूमि के भूमि स्वामी-स्वत्व एवं मालकी हक्क विक्रय किए हैं.

इस विक्रय की गई भूमियों की चतुःसीमा - खसरा नंबर ५१५ (पाँच सौ पन्द्रह) की रकबा हे. १.८४ आरे (शुन्य हेक्टेयर चौरासी आरे) जमीन की -

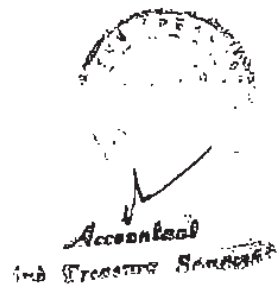
पूर्व को - तुलसीराम पिता भलाजी दोगाया की जमीन,  
पश्चिम को - गौरीबाई भारुड की भूमि,

जिग नारायण

निरन्तर.....पृ/३

१०००६

33E  
१६-६-६६



33E के विक्री नामे में संलग्न है

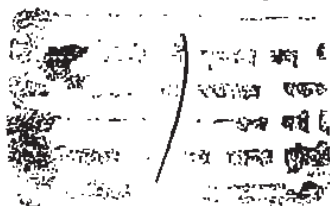
निगलनाथ

श्री. सु. उपा.  
श्रीमती सुनिता उपाध्याय  
एल. १. १. १. १.  
२८, का. १. १. १. १.

जगन्नाथ पिता गंगारामजी गुजर  
निवासी मोरघडी तह रवेडवा

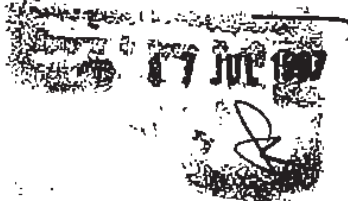
विक्रमपिठे का निगलनाथ  
१२५०००/-

रुपये १३ लाख पच्चीस हजार  
मात्र



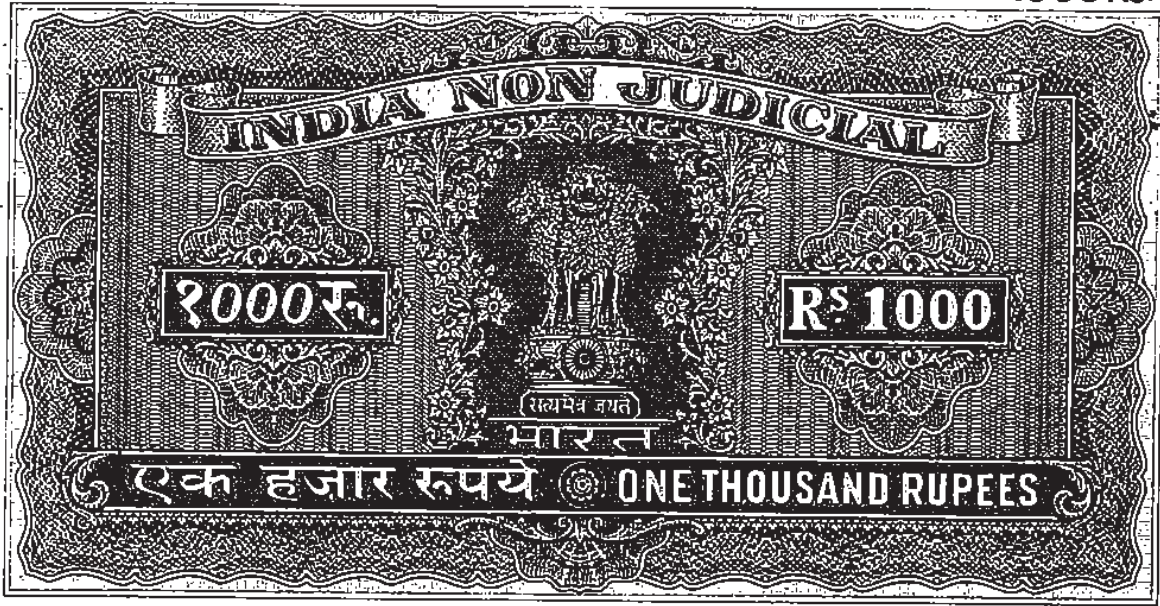
1 मंसायक पिता मोतायक गुजर  
निवासी मोरघका माफी रवेडवा

2 जीवन पिता गंगाराम गुजर  
निवासी मोरघका माफी रवेडवा





1000Rs.



(३)

उत्तर को - आम रास्ता,  
दक्षिण का - भलाजी नांदिया की भूमि है.

खसरा नंबर ६०६ (छः सौ छः) रकबा हे. ०.७५ आरे (शुन्य हेक्टेयर पिचहत्तर आरे) की  
चतुः सीमा -

पूर्व - मयारामजी भारूड की जमीन,  
पश्चिम को - मयारामजी नांदिया का खेत,  
उत्तर को - सरकारी जंगल,  
दक्षिण को - पन्नालाल धनाजी की जमीन.

उपरोक्त क्रेता श्री गिरधारीलाल पिता हीरालालजी सोनी निवासी सनावद को मैं  
उपरोक्त विक्रेता जगन्नाथ पिता गंगारामजी गुजर निवासी मोरघडी यह विक्रय पत्र लिख  
देता हूँ कि :-

(१) एक - यह कि उपरोक्त वर्णित जमीन मुझ विक्रेता नाम से दर्ज है. यह जमीन का सन  
१९९६ - ९७ में हुए राजस्व रिकार्ड के बंदोबस्त के पूर्व इस जमीन का निम्नानुसार राजस्व  
अभिलेखों में इन्द्राज (प्रविष्टी) दर्ज थी -

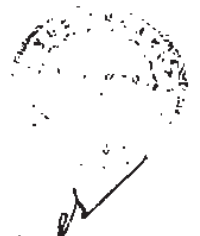
ग्राम मोरघडी प.ह.नं. १ (एक) की -

निरन्तर .....पृ/४ पर

जगन्नाथ

१०८८८-

४३६०  
१६-६-९६



Accountant  
Treasurer

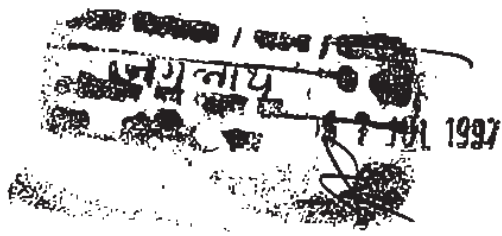
४३३८ के बिक्री नामे में संलग्न

जिगन्नाथ

श्रीमती सुखिता उपाध्याय  
रजिस्ट्रार  
२८, आशाद रोड, सदावक



जिगन्नाथ

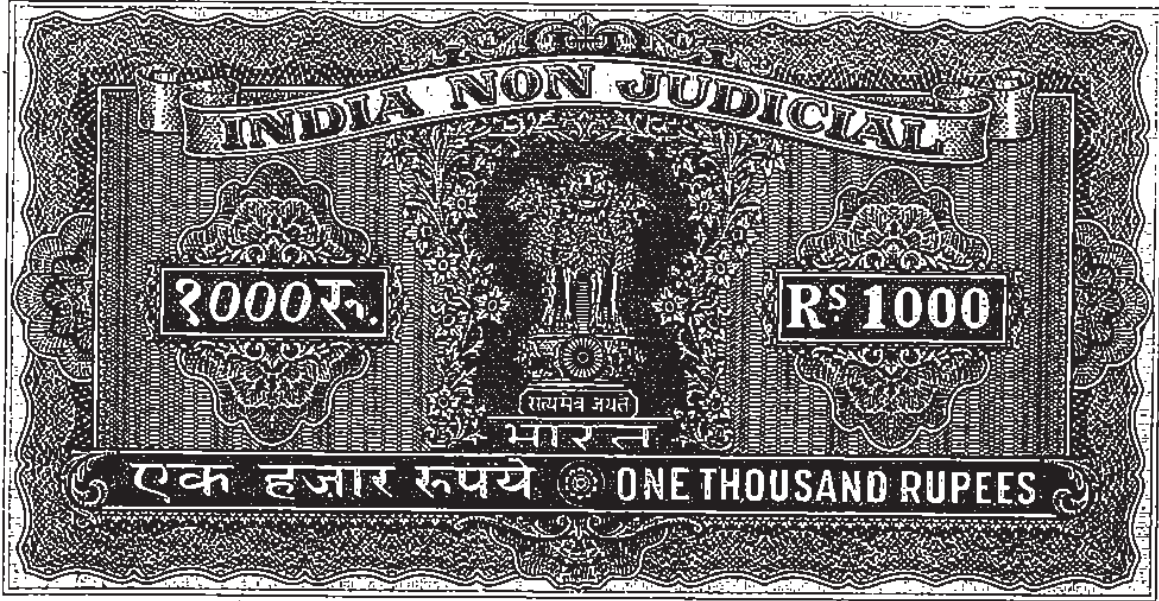


सदावक

① मन्साराज

② जीवराज

1000Rs.



(४)

खसरा नंबर	रकबा हे.	लगान रु. पैसे
३०/३ (तीस बटा तीन)	०.७९३ (शून्य हेक्टेयर सात सौ तिरयानबे आरे)	१७.०० सात रुपये
५१ (इक्कावन)	१.०५२ ( एक हेक्टेयर शून्य बावन आरे )	
५२ (बावन)	०.९४३ (शून्य हेक्टेयर नौ सौ तिरतालिस आरे )	

इस प्रकार इसका कुल तीन नंबर कुल रकबा हे. १.७८८ आरे = ६.८९ एकड़ । यह भूमियां माननीय तहसीलदार महोदय खण्डवा के राजस्व प्रकरण क्रमांक २ अ/ ४६ - १९८२-८३ आदेश दिनांक १९.१२.१९८३ के द्वारा मेरे नाम से दर्ज हुई है एवं इस भूमि का मैं माननीय प्रथम व्यवहार न्यायाधीश महोदय द्वितीय श्रेणी न्यायालय खण्डवा के दिवानी प्रकरण क्रमांक ३३ अ/ ८४ आदेश दिनांक २८ मार्च १९९५ के द्वारा भूमिस्वामी एवं मालिक घोषित किया गया हूँ , एवं निरन्तर इन भूमियों पर मालिक नाते से काबिज हूँ । इस प्रकार यह भूमियां मेरे एकमेव भूमि स्वामी स्वत्व एवं मालकी की है. इन भूमियों का सन १९९६- ९७ में बंदोबस्त राजस्व रिकार्ड में हुवा है और इस बंदोबस्त अनुसार यह जमीन की नई पृविष्टी राजस्व अभिलेखों में निम्नानुसार हुई है -

ब्लाक पुनासा जिला पूर्व निमाड म.प्र. के प.ह.क्रमांक १ (एक) के ग्राम मोरघडी की भूमि-

जि.प्रा.व.

निरन्तर ...पृ/५ पर

१०२०१ -

Accountant  
The Prakash Bhandari

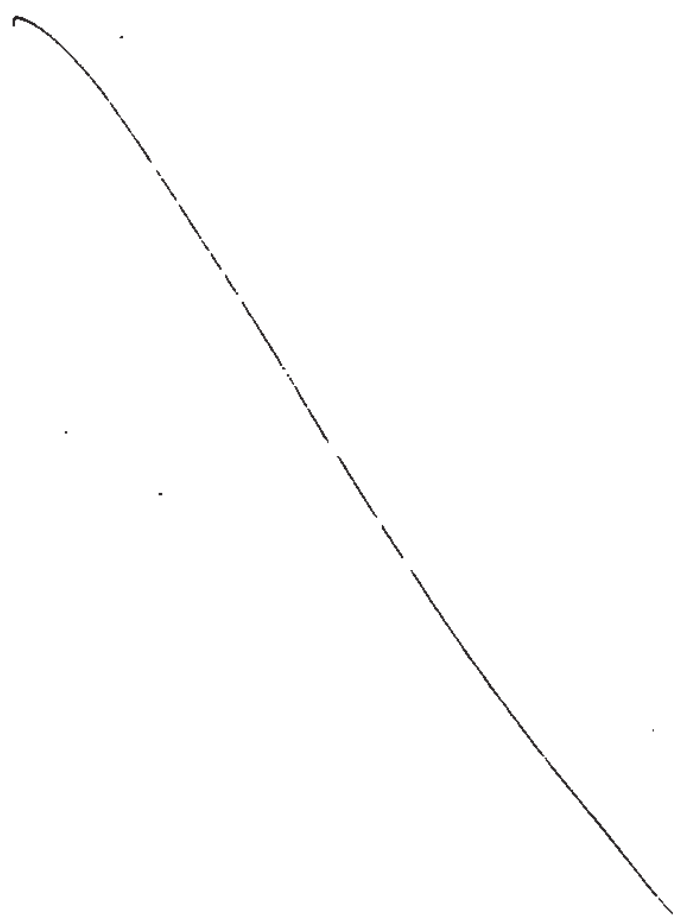
४३४१  
१६-६-९६



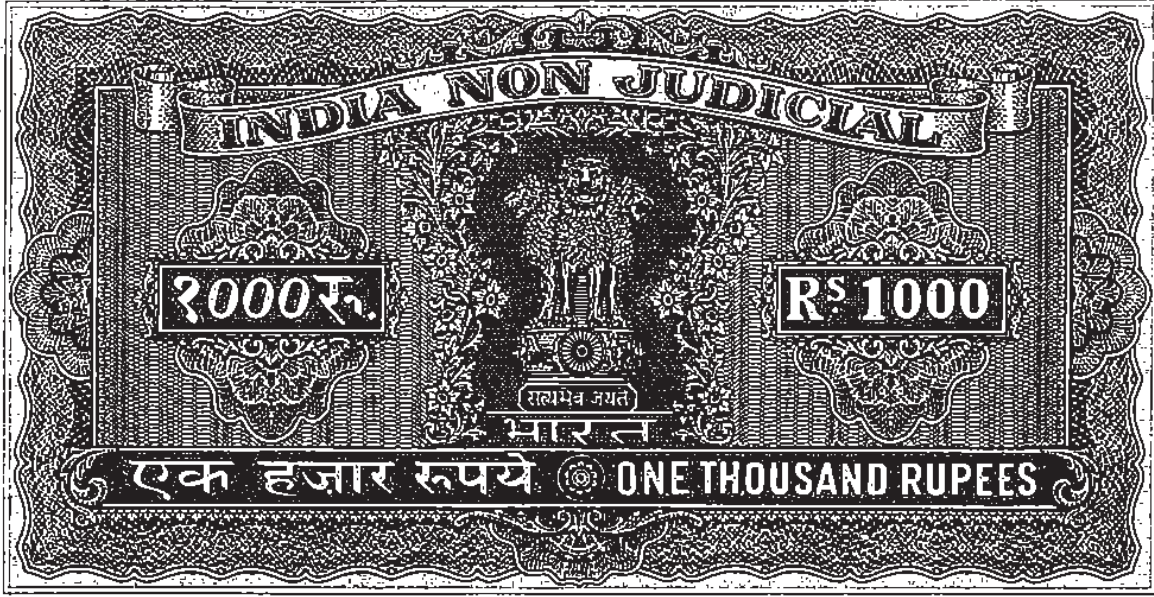
४३३८ के विक्री नामे में संलग्न है

जिज्ञास

श्री. क. उपा.  
श्रीमती सुमिता उपाध्याय  
स्टेशन हेंडलर  
२८, आशुद रोड, सनावद







(५)

खसरा क्रमांक	रकबा हे.	लगान रुपये - पैसे
५१५ (पाँच सौ पन्द्रह)	१.८४ (एक हेक्टेयर चौरासी आरे )	७.०० (सात रुपये)
६०६ ( छः सौ छः)	०.७५ (शून्य हेक्टेयर पिचहत्तर आरे )	
<b>कुल १ (दो)</b>	<b>कुल रकबा हे. २.५९ आरे (दो हेक्टेयर उनसाठ आरे)</b>	

(१)दो - यह कि उपरोक्त मेरे स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि जिस पर मैं मालिक नाते से काबिज हूँ और इसका उपयोग उपभोग ले रहा हूँ परन्तु अब मैं वृद्ध होकर अकसर बिमार रहता हूँ इस कारण इसकी व्यवस्था देखरेख आदि नहीं कर पा रहा हूँ वास्ते यह उपरोक्त वर्णित मेरे स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमियों के भूमि स्वामी स्वत्व एवं मालमाना हक्क आपको हर हमेंद्रा के वास्ते रुपये १,२५,०००/- एक लाख पच्चीस हजार रुपयों के प्रतिफल में विक्रय कर दिये होकर प्रतिफल का सम्पूर्ण रुपया १,२५,०००/- एक लाख पच्चीस हजार रुपया आपसे उपरोक्त अनुसार पंजीयन के पूर्व नगद प्राप्त कर लिया है इसकी अभिस्वकृति देता हूँ एवं इस विक्रय किए गए भूमि का आधिपत्य आपको मौके पर दे दिया है ।

(३)तीन- यह कि मैं विक्रेता अपने स्वामित्व की उपरोक्त जमीन आपको विक्रय करके यह घोषित करता हूँ कि अब आज से इस जमीन के पूर्ण स्वामी आप क्रेता हो चुके एवं इस जमीन में मुझे जो भी भूमि स्वामी स्वत्व एवं मालकी हक्क प्राप्त थे वे सब आपमें वेष्टित हो गए अब आप क्रेता ने मालिक नाते से आपके मरजी अनुसार आपके वंश परम्परा के इस विक्रय की गई भूमि का उपयोग उपभोग लेते जाना अब इस विक्रय किए गए सम्पत्ती पर मेरा या मेरे उत्तराधिकारियों भाई बंद वगैरा का कोई हक्क आदि नहीं रहा है एवं यह सम्पत्ति अन्य

जिसनाथ

निरन्तर ...पृ/६ पर

नं० ८८८८८८

३४२  
१६-६-९६

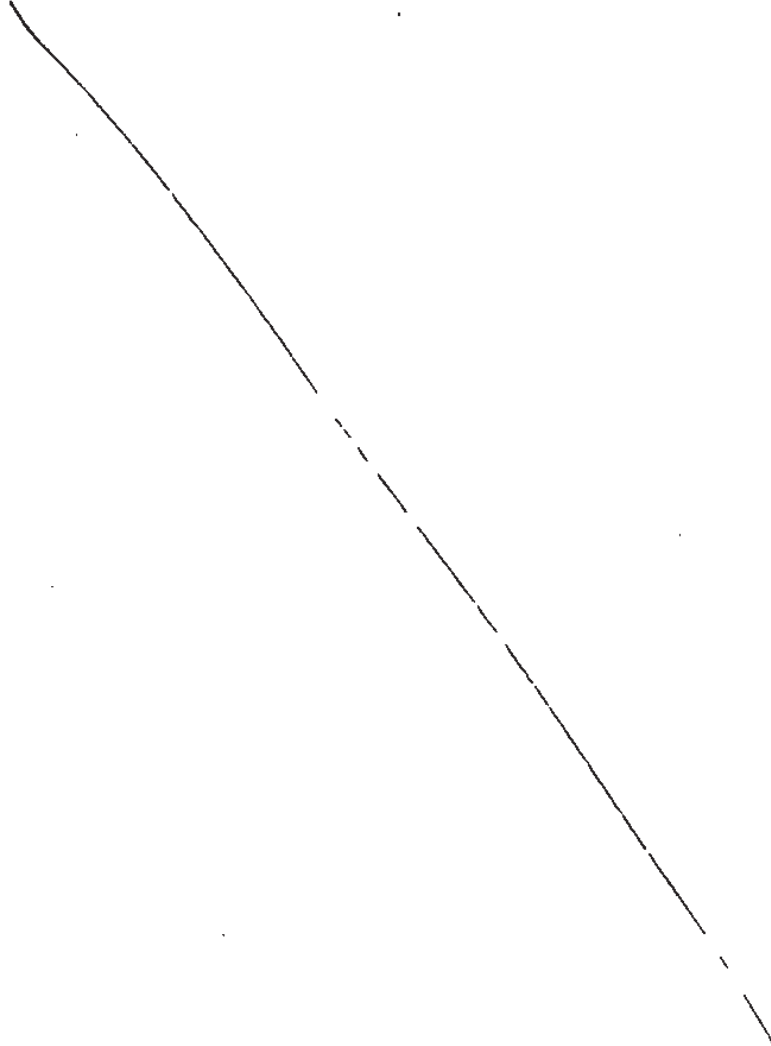


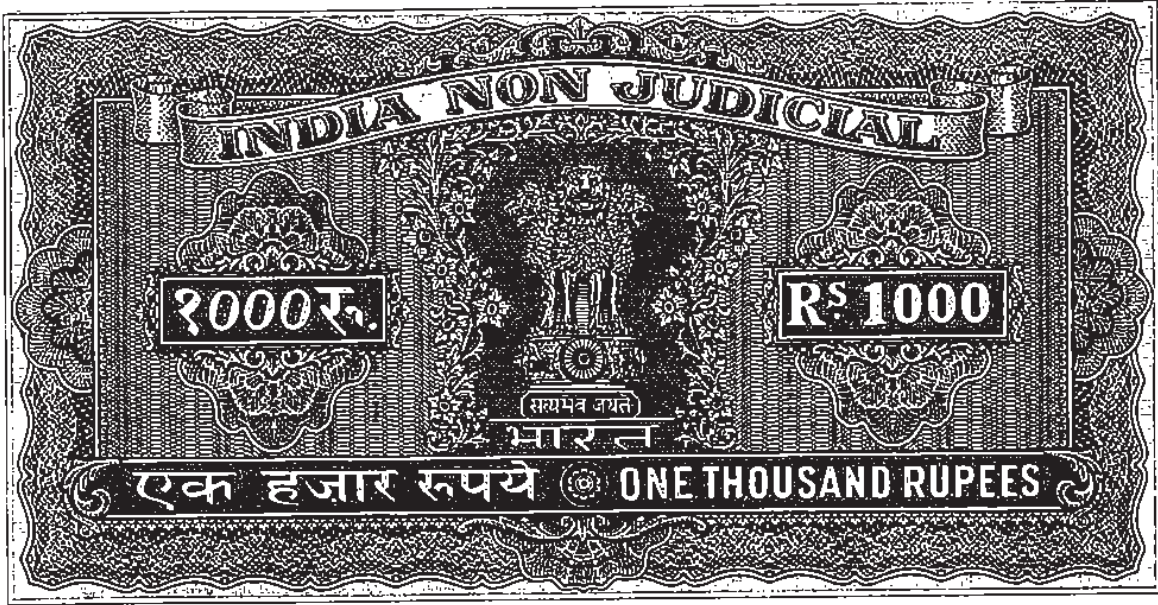
Accountant  
and Treasury Officer

३३८  
के बिक्री नामे में संलग्न है

संलग्न

श्री. सु. उपा.  
श्रीमती सुजिता उपाध्याय  
स्वामी रहेडर  
२८, आजाद राड, सनाथद





(६)

किसी भी दिगर व्यक्ति के पासरहन, बय, बक्षिस या डिक्री के चार्ज वगैरा में नहीं है हर प्रकार से भार मुक्त एवं विवाद मुक्त सम्पत्ति का हमने आपको विक्रय किया है. सदर की उपरोक्त विक्रय की गई जमीन के सम्बंध में मुझ विक्रेता के द्वारा जो माननीय प्रथम व्यवहार न्यायाधीश महोदय वर्ग २ खण्डवा के न्यायालय में दिवानी वाद क्रमांक ३३ अ/ ८४ का प्रकरण पुष्पेन्दुकुमार वगैरा के विरुद्ध प्रस्तुत किया गया था उस प्रकरण में मेरे पक्ष में माननीय विद्वान न्यायाधीश महोदय द्वारा आदेश दिनांक २८ मार्च १९९५ को पारित किया गया है एवं इस प्रकरण के पश्चात अब इस जमीन पर कोई भी किसी किस्म का कोई प्रकरण विचाराधीन नहीं है यदि भविष्य में इस पर किसी भी किस्म का कोई विवाद या भार आदि पाया गया या मेरे स्वत्वों में कोई त्रुटी पाई जावे और इस किसी कारण से इस सदर की विक्रय की गई सम्पत्ति का कुल या आंशिक भाग आपके आधिपत्य से निकल जावे तो आपने आपका चुकता रुपया मय लगावट के मेरे स्वयं से या मेरी दिगर चल अचल सम्पत्ती से वसूल कर लेना यह अधिकार आप क्रेता को होगा।

(३) तीन - यह कि सदर की विक्रय की गई भूमियों पर किसी भी प्रकार का कोई शासकीय या अशासकीय या किसी भी बैंक- सोसायटी अथवा अन्य कोई वित्तीय संस्था आदि का देय बाकी नहीं है. यदि भविष्य में इस प्रकार का कोई बकाया निकला तो इसकी आज तक की देनदारी जवाबदारी मेरी होगी।

(४) चार - यह कि विक्रय की गई खसरा नंबर ६०६ रकबा हे. ०.७५ आरे जमीन यह मुख्य मार्ग से हटकर अंदर होने से सदर की इस जमीन में आने जाने का बैलगाड़ी औत वगैरा कृषि उपकरण आदि लाने ले जाने का बारह मासी रास्ता आम रास्ते आंकारेशवर रोड से होकर रोड के उत्तर में जो मयारामजी नांदीया की जमीन है उस जमीन के पूर्वी मेड से दोनो चकरी का मार्ग

जि. ११/१८

निम्तर ..... पृ/७

१८८८८८

383  
16-6-26



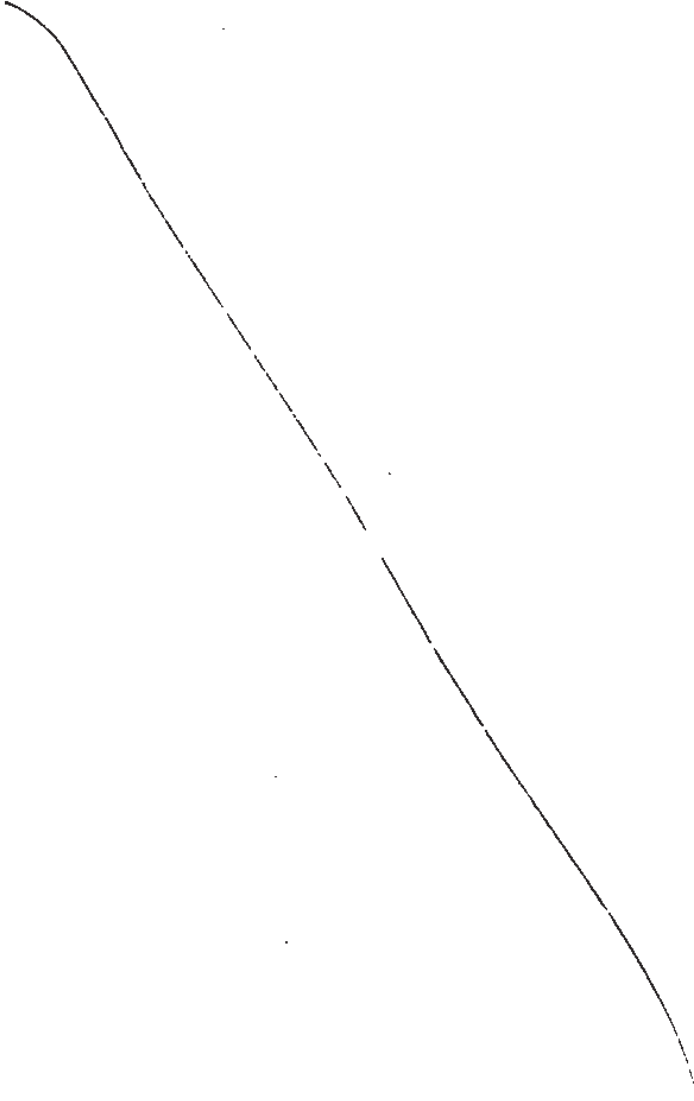
Accountant

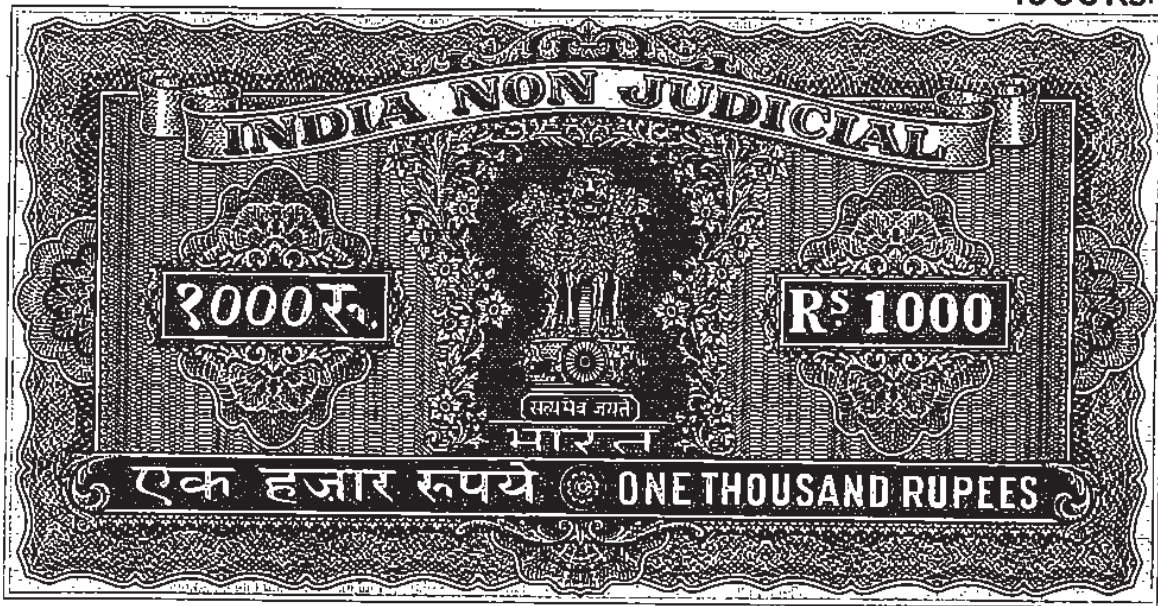
Secretary, Government of India

33८  
के विषय नामे में संलग्न है

अज्ञात

श्री-सु. उपा.  
श्रीमती सुमिता उपाध्याय  
स्टाफ टिचर  
२८, आजाद रोड, सनावद





(७)

पूर्व परम्परा का है इस मार्ग से आवागमन करने बैलगाड़ी और वगैरा कृषि उपकरण आदि लाने ले जाने का मार्ग पूर्ववत् रहेगा।

(५) पॉच - यह कि सदर की उपरोक्त जमीन पर माली कागजातों में शासकीय लेख्यों में अब आपने मालिक नाते से इस विक्रय पत्र के आधार पर हमारा नाम कम कराकर आपका नाम भूमि स्वामी के स्वत्व पर मालिक नाते से दर्ज करा लेना इस कार्यवाही में मैं आपको हस्ताक्षर आदि करके पूर्ण सहयोग करूंगा।

लिहाजा यह विलेख मैंने होश हवास में राजी खुशि से बिना किसी दबाव के सोच समझकर स्वस्थ चित एवं स्थिर बुद्धी से उपरोक्त अनुसार रुपये १,२५,०००/- नगद लेकर एवं विक्रय किए गए जमीन का कब्जा देकर लिख दिया सो सही। इति दिनांक १७ जुलाई १९२७

साक्षीगण

हस्ताक्षर विक्रेता

१) श्री सागराम बाबा  
गुजर मोरटका माफा

श्री सागराम

२) श्री राजेश सागराम  
गुजर मोरटका माफा

प्रमाणीकरण

यह दस्तावेज में काट पिट नहीं है।

श्री सागराम

विक्रिता के बताए गुजर यह विलेख मेरे  
द्वारा टंकित करवाया गया

K. S. Kumbhar  
Attorney



8387  
26-4-26

10006-

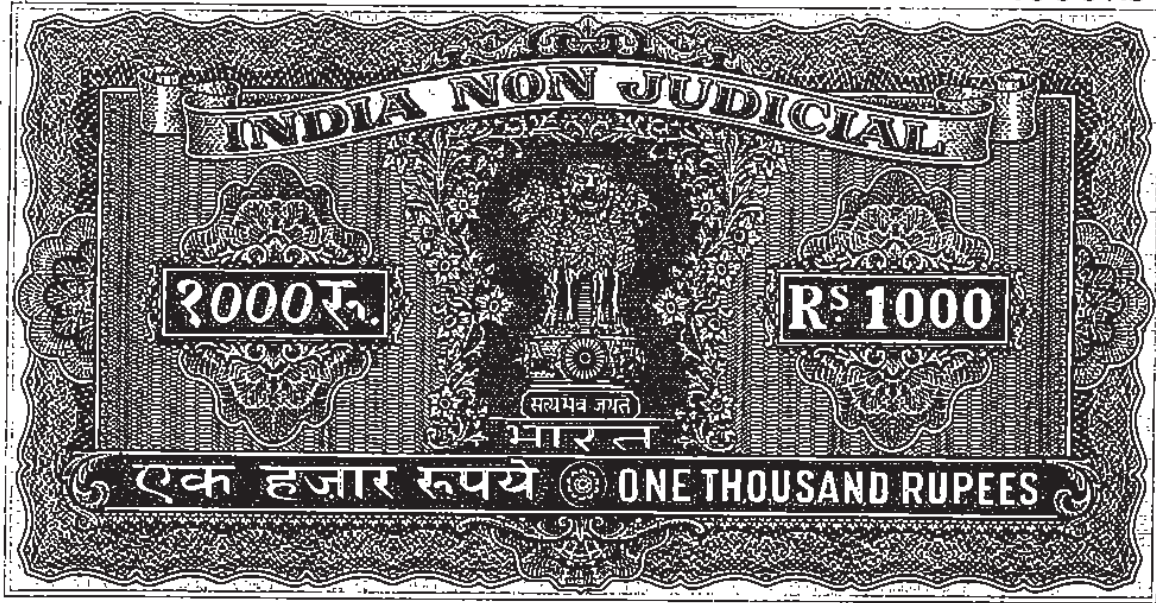


330-  
के विक्री नामे में संलग्न

जिज्ञासा

सौ. सु. उपा.  
श्रीमती लुजिता उपाध्याय  
होमर रजिस्टर  
२८, आजाद राड, सनावद

1000Rs.



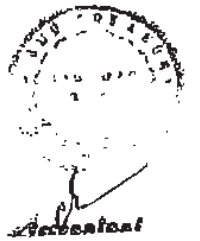
४ ४

विक्रेता जगन्नाथ पिता गंगारामजी गुजर निवासी मोरघड़ी  
द्वारा क्रेता गिरधारीलाल पिता हीरेलालजी सोनी के पक्ष में लिखा  
विक्रय पत्र भूमि का कीमती रुपये 1,25,000/= के पुरवणी में यह स्टाम्प  
प्रस्तुत किया है. दिनांक 17 जुलाई 1997ई.

सही

जिगन्नाथ-----

४३४५  
१६-६-९६



Secretary  
Ministry of Education

४३३८  
के विक्री नामे में संलग्न ।

जिगडावा

श्री. ए. उपा.  
श्रीमती लुकिता उपाध्याय  
टा. ए. ए. ए.  
२८, बांगला रोड, सतावद

*[Faint, mostly illegible text, possibly a list or schedule of items, crossed out by a diagonal line.]*

1000Rs.



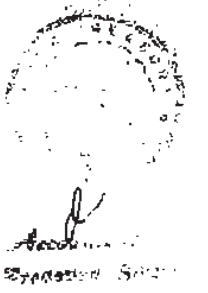
दिक्रेता जगन्नाथ पिता गंगारामजी गुजर निवासी मोरघडी  
द्वारा क्रेता गिरधारीलाल पिता हीरोलालजी सोनी के पक्ष में लिखा  
विक्रय पत्र भूमि का कीमती रुपये 1,25,000/= के पुरवणी में यह स्टाम्प  
प्रस्तुत किया है. दिनांक 17 जुलाई 1997ई.

सही

जगन्नाथ

१०००१-

४३४६  
१६-६-९६



४३३८ के विक्री नामे में संलग्न है

जगन्नाथ

श्री. सु. उपा.  
श्री. सु. उपा. अध्याय  
उपज्य. एडिटर  
२८, आवाज रोड, सनावद

~~.....~~



1000Rs.



विक्रेता जगन्नाथ पिता गंगारामजी गुजर निवासी मोरघडो  
द्वारा क्रेता गिरधारीलाल पिता लोहेरालालजी सोनी के पक्ष में लिखा  
विक्रय पत्र भूमि का कीमती रुपये 1,25,000/- के पुरखणी में यह स्टांम्प  
प्रस्तुत किया है. दिनांक 17 जुलाई 1997ई.

सही

जगन्नाथ

१०००८८

२३४८  
१६-६-६६



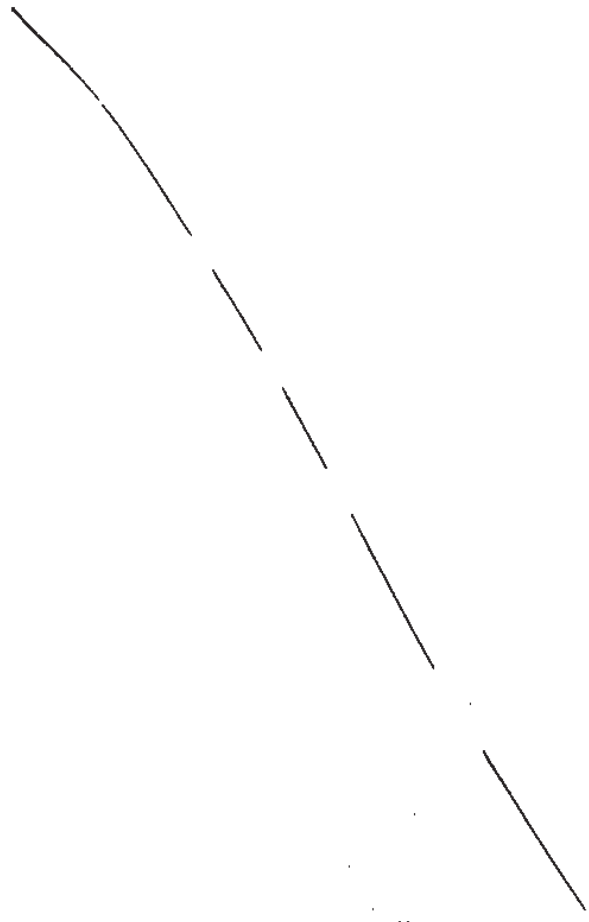
*[Handwritten signature]*  
२३४८

२३४८ के बित्री नामे में संलग्न है

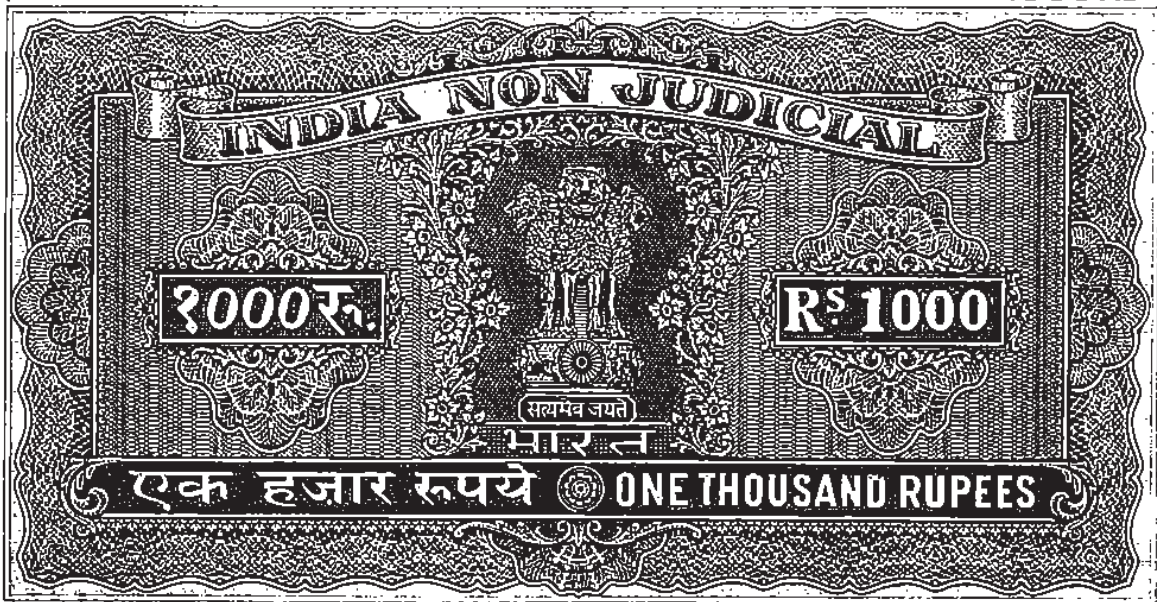
२३४८ के बित्री नामे में संलग्न है

जिम्नायी

सौ. सु. उपा.  
श्रीमती सु. उपाध्याय  
सहायक हेडर  
२८, आजाद रोड, सनावद



1000Rs.



विक्रेता जगन्नाथ पिता गंगारामजी गुजर निवासी मोरघड़ी द्वारा क्रेता गिरधारीलाल पिता हीरालालजी सोनी के पक्ष में लिखा विक्रय पत्र भूमि का कीमती रूपये 1, 25, 000/= के पुरवणी में यह स्टाम्प प्रस्तुत किया है. दिनांक 17 जुलाई 1997ई.

सही :-

*जगन्नाथ*

1997

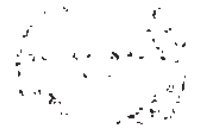
रसीद दस्तावेज नंबर 94  
मुकाम No 3 255

किस को दो गद्दे	दस्तावेज की तफसीलद्वारा कीमत या इस्तखत की तारीख या किस्म जो मुहरबन्द लिफाफे लिया गया हो जिसमें मानव भीत दाखिल हुई हो उसके ऊपर मुहर हुई है भारत	तादाद फीस (अगर हो तो) दाखिल भूवा	रजिस्ट्रार के प्रोहदेद के छो दस्तख
1	2	3	4
तारीख	17 JUL 1997 (25000)	1150	

उप पंजीयक  
रसपंडवा

१०००८

४३४८  
१६-६-९६

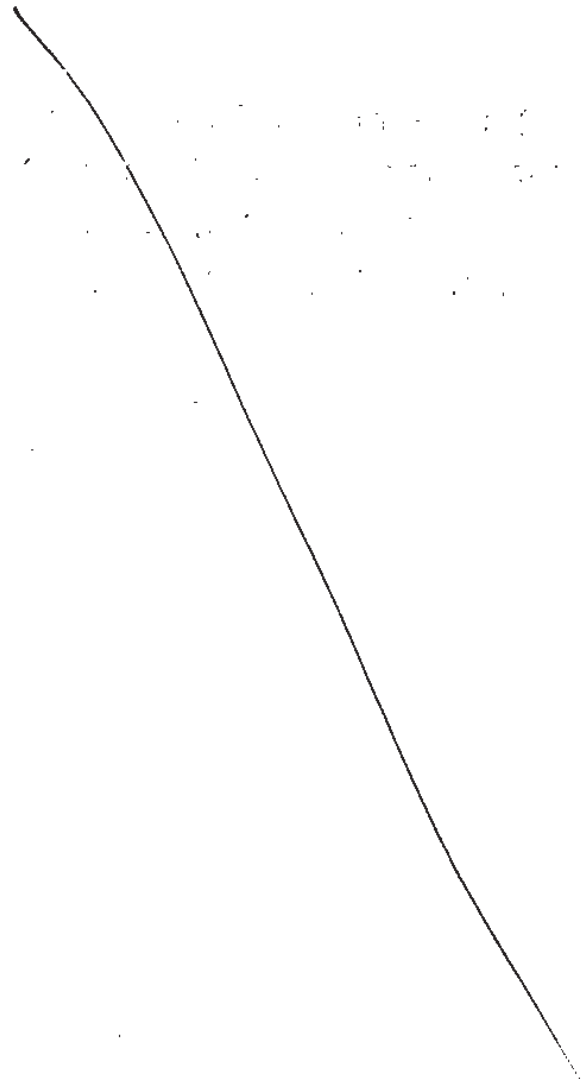


४३३८  
.....के तहत प्रेषित की संख्या है

L  
.....  
.....

जिगजागी

सौ. सु. उपा.  
श्रीमती सुमिता उपाध्याय  
.....  
२४, बाबाद रोड, सनावद



100Rs.



विक्रेता जगन्नाथ पिता गंगारामजी गुजर निवासी मोरघड़ी  
द्वारा क्रेता गिरधारीलाल पिता हीरालालजी सोनी के पक्ष में लिखा  
विक्रय पत्र भूमि का कीमती रुपये 1,25,000/= के पुरवणी में यह स्टाम्प  
प्रस्तुत किया है. दिनांक 17 जुलाई 1997ई.

सही:-

जगन्नाथ



१५०१-

५३४८  
१६-६-९६

५३३८.....कृपया नीचे की तरफ से

जिगन्नाथ

श्री. सु. उपा.  
श्रीमती सुनिता उपाध्याय  
ए. ए. ए. हेडर  
२८, आनंद पार्क, सनावद

दस्तावेज में  
०. बी. काट-काट की गई है।  
अधिकारी की गई है।  
५. काट-काट नहीं की गई है।

17 JUL 1997

6094-7  
98-104  
1906

114  
1150  
उप. पंजीयक  
खण्ड